an>

Title: Regarding developing Bundelkhand as Natural Agro Economic Zone.

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): अध्यक्ष महोदया, मैं बुंदेलखण्ड क्षेत्र की एक गंभीर समस्या, जिससे मैं पहले भी सदन को अवगत करा चुका हूं, के बारे में विÂषय सदन के सामने रखना चाहता हूं। पूरे देश को पता है कि पिछले दस वर्षों से बुंदेलखण्ड में पिछले दस वर्षों से निरन्तर सूखा पड़ रहा है। इस बार किसी पूकार से वहां के किसानों ने अच्छी पूकार से जुताई-बुआई की, जिससे वहां फसल तैयार खड़ी है। पहले चूंकि जानवरों के लिए चारा नहीं बचा था, सभी लोग अपने गाय-बैल एवं अन्य दुधारू पशुओं को छोड़ने के लिए मजबूर हो गए थे। आज उसने इतने गंभीर संकट का रुप ले लिया है कि किसान अपनी तैयार फसल की रक्षा उन जानवरों से नहीं कर पा रहे हैं।

मेरा भारत सरकार से विशेÂष निवेदन है कि सिक्किम की तरह, बुंदेलखण्ड को नेचुरल एग्रो इकोनोमिक जोन के तौर पर विकसित किया जाए। यह बहुत बड़ा कृÂिष योग्य भूभाग है। अगर ऐसा होगा तो बहुत अच्छा होगा।

वहां जो लोग बैल से खेती करते हैं, अगर उनको पूतिमाह दो हजार रुपये अनुदान दिया जाए तो बुंदेलखण्ड के किसानों का भला हो सकता है।

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों पूसाद मिश्र, श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, श्री राहुल कस्वां, श्री अर्जुन लाल मीणा, श्री रामचरण बोहरा को कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति पूदान की जाती है।

-

-

-

-

13.05 hours

SUBMISSIONS BY MEMBERS ....Contd

(ii) Re: Drought situation in Karnataka